



اسرائیل کا غزہ شہر میں مستقل موجودگی کا منصوبہ، یورپی ممالک کی جانب سے مذمت ص: 08

Published from Birmingham (U.K.), India-Delhi, Mumbai, Lucknow, Dehradun

Volume No.03, Issue No.53 , Sunday 31 August, 2025, 8 Pages

جلد نمبر (۳)، شمارہ نمبر (۵۴)، بروز اتوار، ۳۱/ اگست، ۲۰۲۵ء، ۷/ ربیع الاول، ۱۴۴۷ھ، صفحات

SHAHEEN REISEN

Authorised Travel Agency

Shahbaz Arshad Ahmad

Chief Executive

Calais to Dover

Dover to Calais



SPECIAL OFFER



+49 (0)6151-3688525

www.shaheenreisen.de



40 (0)163 1750796

info@schubertreisen.de

ہم جنگ نہیں چاہتے لیکن اسرائیل اور امریکہ
ایران کو تباہ اور تقسیم کرنا چاہتے ہیں: ایرانی صدر



ایران عالمی جوہری ایجنسی کو روسا میں اور یورپ میں
افزودہ دو چار ہندسات دور کرے۔ تینوں ممالک
نے مطالبہ کیا کہ ایران امریکہ کے ساتھ دوبارہ
جوہری مذاکرات میں شریک ہو، انہوں نے
ایران کو 'شرائک پوری کرنے پر پابندیوں
میں تاخیر پیش کی۔

یاک وزیراعظم شہباز شریف وفاقی وزراء کے ہمراہ 6 روزہ دورے پر چین روانہ

[illegible]

اسرائیلی فوج کی غزہ میں بربریت جاری، مزید 67 فلسطینی شہید

غزہ میں حاملہ اور دودھ بلانے والی 10 میں

سے 7 خواتین شدید غذائی قلت کا شکار

[illegible][illegible]

حماس کا اسرائیلی فوجیر بڑا حملہ، 2 ہلاک، 4 کویر غمال بنالیا

[illegible]

[illegible]

مراد آباد ضلع میں 26
اکتوبر تک امتناعی حکم جاری

جنوبی ایشیائی خطہ میں پاکستان اور دیگر ممالک کی سیاسی تعلقیتوں کا ایک جامع مرکز چرچہ، دیوبالی، گروہوں اور وائبرو اور اور مردانہ جیسے مندرجہ بالا اور اختلافات کے پیش نظر ترقی و ترقی کے رکھنے اور امن و امان برقرار رکھنے کے لئے منسلک مجریہ انون سنگھ نے بی ای ایس ایس 2023 کے 163 اسکور کے تحت ہجرتی سکولوں کو برقرار رکھنے کے لئے انتہائی اسکات جاری کیے ہیں۔ بی انتہائی حکم اور آباد منسلک 26 اکتوبر 2025 تک نافذ رہے گا۔ اگر کوئی شخص اس انتہائی حکم کی ایک بار یا دو بار شراکت خلاف ورزی کرتا ہے تو وہ اعلیٰ ترین عدالت 2023 کو 22 دفعہ کے تحت سزا ساقی ہوگا۔

جلوس محمدیؐ میں شامل ہو کر بھجھتے رہیں درود و سلام

کے نام سے۔ یہاں کے ادا میں مذمت کی گئی ہے۔ اور اس کے ساتھ ساتھ

[illegible]

جلوس، شادی، کسی خوشی، رڈی ہے و آتش بازی، رہا بندی، نامعلوم گاڑی

جلوس، شادی، کسی خوشی، رڈی ہے و آتش بازی، رہا بندی، نامعلوم گاڑی

[illegible]

دیر شب مدرسہ علوم میں منعقد بھی اتفاق رائے کیا گیا۔ جامع مسجد کے العلوم کے مدرس مولانا مفتاح حسین و مولانا منینگ میں گاؤں کی مذہبی ائمہ حضرات امام مولانا عالم، امی، کدھرات میں منعقدہ منینگ میں نورانی مسجد کے امام قاری شاورخ کے سپرد کرنے، گاؤں کو حدیث علم کی راہ

[illegible]

سلام

اگر آپ سرکوبوں کا انہوں میں سے کسی ایک کو جانتے ہیں تو انہیں یہ خبری آجکھوں سے بہن ہو چلا آئیں۔ ہم دشمن میں رہنے والے ہماری رعایت اسی عظیم عمل کا ہے سلسلہ آئیں جو بات تیز و سنجیدہ سے بھی ادا ہوگی، وہ بات کتنی روانی سے کہہ سکیا آئیں اسے سحر سے سمجھو، بہت عظیم ہے یہ مجھے بہت دلائے گا، یہ مرا آئیں کسی میں دم ہو تو اس میں دم رک دے مایہ چا رہا ہے زمانے میں تھلکہ آئیں

سلام



شیخ طاہر القسوسی

میں حسین بن علی جو آجکھ سے گرا آئیں یہ عہد کا گو کی زینت، یہ عاجزی کا امین اسی لیے نہ بھی ہوگا یہ عہدا آئیں نہ خوف باد و جسم اور نہ غم جو اسے بہت دلیر رہا ہے غریب کا آئیں لگے کی ضرب جو دل پر تو اٹک لگیں گے نہیں گے درد و غم دل کا آئیں، آئیں خیالی جہ رسالت رکھو سدا دل میں نمی و بخت نمی کا ہے قضا، آئیں چمک اٹھا جو صفی کی بام مرگاہ پر ہے اتھارے صامت کا آئیں، آئیں یہ ایمانی کی ہے سنت، یہ ایمان کا طریق بشر کے واسطے پیشکش کا آئیں جو اس کو کہتے ہیں بیعت، یہ روزِ حشر وہی ہے طرز میں بہانیں گے بے وجہ، آئیں جو بیخیزا تذکرۂ شیر خوار کس میں ہر ایک ایک کو خون رنگ کر گیا آئیں تری لہ میں قیام روشنی لانے کا بنا جو نصیب رومالِ فاطمہ، آئیں

حضور احمد مرسل کا دعا آئیں جناب فاطمہ زہرا کا افتخار آئیں غریب و یتیم کا جس کا آئیں آئیں پڑا جو دشت تو بیخوار بن گیا آئیں رہ نجابت میں غمخوہ وہ کہا نہیں سکتا ہے جس کی ہڈیاں پہ چٹا ہوا دیا آئیں کوئی بھی ظلم کی آغوش نہیں سمجھا نہ کسی چارم پٹن کے پچھتے رہے سدا آئیں بہار گلشنِ ہستی اجاڑنے والو تہدی موت کا بیخام بن گیا آئیں گلہائے حضرت شہید کائناتے والو تمہارے ظلم کا پرچا کر گیا آئیں نمی کی آل پہ گرزے جو روزِ آفرود آئیں غول کا ستارہ ہے ماہرا آئیں

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	52
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----